

शर्करा स्त्री. (तत्.) 1. चीनी, मिश्री, शक्कर 2.

बालू का कण, कंकड़, बजरी कंकड़ीला रूप 4.

रेत 5. कोई भी बड़ा कण 5. उपला 6. ठीकरा

7. खंड, टुकड़ा 8. सुनहरी पृथ्वी 9. पथरी रोग।

शर्कराचल पुं. (तत्.) दान के लिए शक्कर, चीनी का कृत्रिम पहाड़।

शर्कराप्रमेह पुं. (तत्.) मधुमेह रोग।

शर्करामापी पुं. (तत्.) किसी तरह पदार्थ में शक्कर/चीनी की मात्रा को जानने वाला यंत्र।

शर्कराबुद पुं. (तत्.) आयु. एक तरह का अर्बुद या फोड़ा।

शर्कराल वि. (तत्.) कंकड़ी-भरी आँधी।

शर्करासव पुं. (तत्.) शक्कर/चीनी से बनी शराब।

शर्करिक वि. (तत्.) शर्करा-युक्त, शक्कर/चीनी से बना हुआ 2. शक्कर/चीनी से मिला हुआ 3. कंकरीला, पथरीला, किरकिरा।

शर्करी स्त्री. (तत्.) 1. लेखनी 2. नदी, सरिता 3. पर्वत की मेखला, करधनी 4. एक वार्षिक छंद।

शर्करीय वि. (तत्.) शर्करा से संबंधित, चीनी का।

शर्करोदक पुं. (तत्.) चीनी का शरबत।

शर्की वि. (अर.) पूर्वीय, पूर्व दिशा का, पूरब का।

शर्ट स्त्री. (अं.) शरीर के ऊपरी हिस्से में पहना जाने वाला एक सिला हुआ वस्त्र, कमीज।

शर्त स्त्री. (अर.) 1. करार, संविदा 2. प्रतिज्ञा, किसी संधि समझौते की अंगभूत प्रतिज्ञा 3. किसी वस्तु या कार्य-विशेष के लिए अनिवार्य बात, वस्तु 4. किसी कार्य की सिद्धि के लिए जरूरी या अपेक्षित नियम, बंधन, पाबंदी कार्य 5. किसी बात की सत्यता-असत्यता के बारे में दो पक्षों द्वारा दाँव पर लगाई जाने वाली धनराशि, बाजी, जुआ, दाँवा।

शर्तनामा पुं. (अर.+फा.) 1. शर्त का कागज 2. वह लिखत जिसमें यह वर्णित हो कि अमुक शर्त किन लोगों के बीच और कब निश्चित हुई।

शर्तिया वि. (अर.) 1. अनिवार्य, बिल्कुल ठीक, निश्चित, लाजिमी 2. अचूक, पक्का क्रि.वि. 1. शर्त बदल कर, बाँधकर 2. निश्चित रूप से 3. अनिवार्य रूप से 4. दृढ़तापूर्वक।

शर्धजह वि. (तत्.) अफारा उत्पन्न करने वाला, पेट को फुलाने वाला पुं. उड़द या माष की दाल।

शर्ध पुं. (तत्.) 1. सामर्थ्य 2. सेना 3. समूह 4. अफारा, अपान वायु का त्याग।

शर्धन पुं. (तत्.) अपान वायु को छोड़ने की क्रिया, अपान वायु का त्याग।

शर्बत पुं. (तत्.) दे. शरबत।

शर्बती वि. (तत्.) दे. शरबती।

शर्बते दीदार पुं. (अर.+फा.) दर्शन रूपी शर्बत, दृष्टि रस।

शर्म¹ स्त्री. (फा.) लज्जा, हया, इज्जत, प्रतिष्ठा/ लाज, खयाल, लिहाज, पश्चाताप, पछतावा।

शर्म² पुं. (तत्.) 1. सुख, आनंद खुशी, प्रसन्नता 2. गृह, घर, आश्रय 3. आशीर्वाद, आशीर्वचन वि. सुखी, सम्पन्न 4. ब्राह्मणों की उपाधि।

शर्म³ पुं. (तत्.) 1. छाज, दो द्रोण का तौल 2. अन्न साफ करने, पछोड़ने के लिए सीक, बाँस के छिलके आदि का बना पात्र, सूप 3. पकी हुई दाल या रसा, रसे की तरकारी आदि व्यंजन 4. रसोइया, पाचक 5. बाण।

शर्मनाक वि. (फा.) लज्जाजनक, लजाने लायक, घिनौना, बेहयाई का।

शर्मर पुं. (तत्.) 1. एक तरह की पोशाक या परिधान, वस्त्र 2. आनंददायक।

शर्मसार वि. (फा.) शर्मिदा, लज्जित, पश्चात्तापी, पछताने वाला।

शर्मा पुं. (तत्.) ब्राह्मणों के नाम के अंत में प्रयुक्त एक उपाधि, ब्राह्मण-वर्ण की बोधक उपाधि वि. सुखी, प्रसन्न।

शर्माऊ वि. (फा.) 1. शर्मिला, लज्जाशील 2. संकोची दे. शरमाऊ।